सागर ज्ञान का

मैं विगत 5 वर्षों से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। मैं तभी से विज्ञान प्रगति का निरंतर संग्रहण कर रहा हूँ। इसकी अविरल श्रृंखला में दिसम्बर 2012 का अंक भी सम्पूर्ण ज्ञान सागर लिए हुए है। इस अंक में गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के बारे में दी गयी जानकारी मेरे लिए सर्वाधिक उपयोगी रही। लद्दाख पर आधारित सभी लेख अत्यधिक ज्ञानवर्धक लगे। सामरिक महत्व के हिसाब से विशेष लेख भारतीय खगोल वेधशाला महत्वपूर्ण लगा। विश्व की सर्वाधिक ऊँचाई पर स्थित खारे पानी की पैन्गांग झील की खूबसूरती का अहसास वहां जाए बिना ही हो गया। मैं समझता हूँ कि प्रतियोगियों के लिए एक दुर्लभ और सहेजकर रखी जा सकने वाली पत्रिका है। चित्र कथा मेरा पसंदीदा स्तम्भ है जिसमें हर बार किसी वैज्ञानिक के बारे में जानकर दिल बाग-बाग हो जाता है। साथ ही सवाल जब जब, जवाब तब तब भी ज्ञान की धारा लेकर आता है, और मन में अधूरे रह गये सवालों के जवाब बिना पूछे ही दे देता है। एक विशेष बात कहना चाहूँगा कि विज्ञान प्रगति की भाषा इतनी सरल, सामान्य और स्पष्ट होती है कि आम नागरिक भी इसका ज्ञान प्रसाद अपने अन्दर समाहित कर सकता है।

अंतिम पंक्तियों साभार.....
ख्वाहिशें रख दीं एक हथेली पर,
और रख दीं विज्ञान प्रगति दूसरी पर
तब जाकर जाना कि विज्ञान प्रगति के सामने
ख्वाहिशें कुछ भी नहीं...

श्री योगेश पोखरियाल, लेन नं. 5, अलकनंदा विहार, नकरौन्दा, देहरादून 248008, [ई-मेल : ypokhriyal1330sk@gmail.com]

विज्ञान प्रगति - एक आदर्श

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ और मुझे यह पत्रिका बहुत अच्छी लगती है। इसका हर अंक ज्ञान से परिपूर्ण होता है। मुझे दिसम्बर 2012 के अंक में प्रकाशित गणित पर आधारित वर्ग पहेली बहुत ही अच्छी लगी। यह एक सार्वभौमिक सत्य है कि वास्तव में विज्ञान प्रगति की भारत के लोगों को बहुत जरूरत है। इस पत्रिका की सबसे विशेष बात यह है कि इसमें हर क्षेत्र का ज्ञान समाया रहता है। इसी विशिष्टता के कारण यह पत्रिका निरन्तर प्रगति की ओर बढ़ रही है। पत्रिका के 61वें वर्ष में प्रवेश करने पर संपादक जी, प्रकाशक व पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं।

श्री बृजेश कुमार, सुपुत्र श्री राधेश्याम, ग्राम - नया गाँव, पोस्ट-चहोड़ा घाट, जिला-अम्बेडकर नगर 224181 (उ.प्र.) [मो. : 09984239008]

विश्वसनीय पत्रिका

विज्ञान प्रगति का दिसम्बर 2012 का अंक पढ़ा। इस अंक में मुझे श्रीनिवास रामानुजन आयंगर के जीवन के बारे में पढ़कर बहुत अच्छा लगा। रामानुजन एक महान गणितज्ञ थे और इस पत्रिका के माध्यम से उनके जीवन के बारे में पढ़कर गणित के विभिन्न पहलुओं को भी जानने का मौका मिला। मुझे विज्ञान प्रगति में प्रकाशित प्रत्येक लेख अच्छा लगता है और मैं समझता हूँ कि विज्ञान प्रगति एक ऐसी पत्रिका है, जो प्रत्येक युवा की पहली पसंद है। दिसम्बर 2012 के अंक की विज्ञान क्विज़ भी काफी रोचक थी। इसमें मौसम विज्ञान के रोचक प्रश्नों को पढ़कर बहुत अच्छा लगा। आशा करता हूँ कि विज्ञान प्रगति हर माह एक नए व रोचक रूप में हमारे बीच आती रहेगी।

प्रत्येक महीने नया अंक लेकर आती है।
हर तरफ रोशनी के दीए जलाती है।।
नई सोच नया नजरिया विकसित करा जाती है।
कदम से कदम मिलाकर चलना विज्ञान प्रगति ही सिखाती है।।

श्री प्रिन्स दूबे, सुपुत्र श्री अनिल दूबे, वार्ड न. 07 सुपती, महराजगंज (उ.प्र.) [मो. : 09415470683; 08090904340 ई-मेल : dubeyprince22@yahoo.com]

मनमोहक पत्रिका

विज्ञान प्रगति का लद्दाख पर विशेष अंक (दिसम्बर 2012) पढ़ा। यह अंक संकलन योग्य लगा। लद्दाख की प्राकृतिक छटा, वनस्पति, फल-फूल वन्य प्राणी खूबसूरत लगे। जहां एक ओर विशेष लेख भारतीय खगोल वेधशाला अत्यंत रोचक व महत्वपूर्ण जानकारी लिए था वहीं एक अन्य विशेष लेख 'जय जवान जय विज्ञान' ने अतीत की यादों को तरोताजा कर दिया। इतनी दुर्गम जगह पर दुश्मनों के हौसले पस्त करने वाले जवानों को सलाम। पैन्गांग झील का वास्तविक सौंदर्य तथा विश्व के सबसे बड़े सोलर टेलिस्कोप (NLST) हेतु चुनी गई जगह के बारे में पढ़ा। भारतीय समवेत औषध संस्थान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

दुनियाभर के गणितज्ञों में शिरोमणी 'श्रीनिवास रामानुजन' के बारे में पढ़कर अच्छा लगा। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि 22 दिसम्बर 2012 को रामानुजन की 125वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार ने वर्ष 2012 को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में मनाए जाने का संकल्प किया। मेरे पिताजी श्री अशोक चौबे राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक हैं और उनके पास वर्ष 1976 से अब तक की विज्ञान प्रगति के अंकों का दुर्लभ संग्रह है, जिनसे अध्ययन-अध्यापन के लिए मुझे सदैव प्रेरणा मिलती रहती है। अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों एवं कार्यों में 'विज्ञान

उत्साहवर्धक अंक

लद्दाख के विविध रूपों और नवीन जानकारियों को समेटे हुए विज्ञान प्रगति का दिसम्बर 2012 का अंक प्राप्त हुआ। देश के इस भाग (लद्दाख) के बारे में भौगोलिक व वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराकर माननीय सम्पादक महोदय ने अत्यन्त सराहनीय कार्य किया है। मैं लगभग बीस वर्षों से अनवरत विज्ञान प्रगति का अध्ययन करता आ रहा हूँ। लद्दाख से सम्बन्धित कभी भी कोई लेख विज्ञान प्रगति में नहीं आया था। यह लेखकों व सम्पादक के प्रयासों का ही सुपरिणाम रहा कि इतना उत्कृष्ट अंक हम सबके समक्ष आ पाया। डॉ. सन्तोष कुमार अग्रवाल द्वारा लिखित लेख 'लद्दाख : वनस्पति सर्वेक्षण व खोज' अत्यन्त उत्साहजनक लगा। हमारे देश के लगभग सभी विश्वविद्यालयों व स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में वनस्पति विज्ञान विषय से एम. एससी. कर रहे छात्रों का भ्रमण प्रत्येक वर्ष वानस्पतिक सर्वेक्षण के लिए कहीं-न-कहीं आयोजित होता ही रहता है। भ्रमण के दौरान संकलित अधिकांश वनस्पतियों के नमूनों का बाद में प्रयोगशालाओं में अध्ययन एवं शोध हेतु उपयोग किया जाता है। मैं समझता हूँ कि छात्रों और गुरुजनों को लद्दाख एक अलग ही तरह का वानस्पतिक दर्शन दे सकता है। मैं डा. संतोष कुमार अग्रवाल जी का विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूँ कि उन्होंने इस अभूतपूर्व पत्रिका के माध्यम से लद्दाख पर इतनी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करायी।

इस अंक ने ज्ञान में इजाफा तो किया ही, साथ ही पर्यटकों और शोधार्थियों/छात्रों का ध्यान भी लद्दाख की ओर खींचा होगा, ऐसा मेरा विश्वास है। डॉ. अच्युतानन्द शुक्ला, डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, डॉ. बी. सी. भट्ट, श्री एस. के. द्विवेदी, श्री हसन जावेद खान, डॉ. वाई. एस. बेदी एवं डॉ. एस. के. अग्रवाल को उत्कृष्ट लेखों के लिए बधाइयां और धन्यवाद! श्री शुकदेव प्रसाद जी का लेख 'गणितज्ञों में शिरोमणि : श्रीनिवास रामानुजन आयंगर' भी अत्यन्त सारगर्भित व रोचक लगा। प्रिय पाठकों! विज्ञान प्रगति में एक वर्ष से भी अधिक समय से प्रकाशित हो रही वर्ग पहेलियों के लिए आप लोगों का सहयोग सदैव मुझे मिलता रहा है और मैं उम्मीद करता हूँ कि ऐसा ही सहयोग आगे भी मिलता रहेगा। अनेक जिज्ञासु पाठकों ने मुझसे फोन पर बातचीत करके वर्ग पहेलियों को हल करने की विधि जानी। यह मेरे लिए हर्ष की बात है।

आप सब को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

डॉ. संजय कुमार, ग्राम-जगदीशपुर, पोस्ट-बराबां, जिला-जौनपुर 222143 (उ.प्र.) [मो. : 09839343310, ई-मेल : saneec@gmail.com]

भूल सुधार

प्रिय पाठक मित्रों! विज्ञान प्रगति के जनवरी, 2013 के अंक में पृष्ठ 58 पर स्तम्भ 'विज्ञान प्रश्न' के अन्तर्गत प्रकाशित प्रश्न संख्या '37' के उत्तर के लिए विकल्प 'स' को सही मानें। आपको हुई असुविधा के लिए मुझे खेद है।

आपके पत्र

प्रगति' मेरी मददगार रही है और आज भी बनी हुई है। इस प्रेरणादायक विशेषांक के लिए बधाइयां।

कु. अक्षिता चौबे, सुपुत्री श्री अशोक चौबे, तुकडोजी महाराज डा बाबा साहब अम्बेडकर कालेज ऑफ लॉ, नागपुर (महाराष्ट्र)
[ई-मेल : choubeyakshita@gmail.com]

अति उपयोगी पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। दिसम्बर 2012 के अंक 'देश की साख लद्दाख' का प्रत्येक स्तम्भ उपयोगी व महत्वपूर्ण तत्वों से परिपूर्ण लगा। विज्ञान प्रगति का प्रत्येक अंक अति उपयोगी होता है। अतः प्रगति के इस पथ पर विज्ञान प्रगति का हृदय से आभार प्रगट करता हूँ। एक जागरूक व प्रबुद्ध पाठक के तौर पर हम भी प्रशंसा के पात्र अवश्य हैं।

डा. महेन्द्र कुमार गुप्ता (प्रवक्ता पूर्वांचल वि.वि. जौनपुर), ग्राम/पो. जामतारी, जिला-प्रतापगढ़ (उ.प्र.) [मो. : 09451038452
ई-मेल : mahendrakumarumar@yahoo.com]

प्रगति की प्रगति

वैसे तो विज्ञान प्रगति जिज्ञासु छात्र/छात्राओं की एक महत्वपूर्ण पसंद बन चुकी है। इस पत्रिका के माध्यम से सभी प्रकार के क्षेत्रों से महत्वपूर्ण तथा विस्तृत रोचक जानकारियां समयानुसार उपलब्ध होती रहती हैं, जो इस पत्रिका की खास विशेषता है। वर्तमान प्रतिस्पर्धा वाले युग में इतने कम मूल्य में उपलब्ध इस सर्वश्रेष्ठ पत्रिका की तुलना किसी अन्य पत्रिका से कर पाना नामुमकिन है। दिसम्बर 2012 का अंक लद्दाख पर आधारित था। गणितज्ञ रामानुजन की 125वीं जंयती के अवसर पर वर्ष 2012 को राष्ट्रीय गणित वर्ष घोषित किया गया। 22 दिसम्बर के विशेष अवसर पर रामानुजन के जीवन संघर्ष और उनकी यशस्वी जीवन गाथा का अवलोकन करने का मौका मिला। विज्ञान पर आधारित प्रतियोगिवों के लिए तथा वर्ग पहेली ने मेरी जिज्ञासाओं को शांत कर दिया। मैं तो विद्यार्थियों को सलाह देता हूँ कि विज्ञान प्रगति का पाठक बन कर अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त करें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका निरन्तर दिन दूनी-रात चौगुनी प्रगति करती रहे।

श्री सुजीत शर्मा, सुपुत्र श्री ध्रुव देव शर्मा, ग्राम तथा पोस्ट-सिकटा (छोटा) जनपद-कुशीनगर 274303 (उ.प्र.) [मो. : 09451260040
ई-मेल : sujit1996gkp@rediffmail.com]

प्रकाशमयी पत्रिका

मैं एल.एल.बी. द्वितीय वर्ष का छात्र हूँ तथा पिछले अनेक वर्षों से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। इस पत्रिका में विभिन्न प्रकार की ज्ञानवर्द्धक बातों को बहुत ही सहजता से बताया जाता है। मुझे इस पत्रिका में विज्ञान समाचार और सवाल जब जब, जवाब तब तब बहुत अच्छे लगते हैं। मैं यह कहूँगा कि यह एक प्रकाशमयी पत्रिका है इसलिए सभी विद्यार्थियों को यह पत्रिका अवश्य ही पढ़नी चाहिए। यह पत्रिका हर क्षेत्र में ज्ञानवर्द्धक है। खासतौर पर विज्ञान प्रगति का विज्ञान गल्प हमें विज्ञान के क्षेत्र में कुछ नया करने का रास्ता दिखाता है। इस पत्रिका का हर अंक विज्ञान के खजाने में एक अतिरिक्त खजाने के रूप में जुड़ जाता है। विज्ञान प्रगति की समस्त टीम को इस महत्वपूर्ण खजाने के प्रकाशन के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद।

श्री देवव्रत उपाध्याय, सुपुत्र श्री शिवाकान्त उपाध्याय, ग्राम-उभाई, पो.-भटावल, हर्रैया बस्ती 272135 (उ.प्र.)
[मो. : 09794283911; 09918323351]

ज्ञानोपयोगी औषधि

मैं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा हूँ तथा विज्ञान प्रगति का नियमित एवं वफादार पाठक हूँ। इसका प्रत्येक महीने का अंक मुझे बहुत ही नवीन, जिज्ञासावर्धक, व अति महत्वपूर्ण लगता है। मैं विज्ञान प्रगति को उन प्रतियोगी छात्रों हेतु जो विज्ञान विषय में हिन्दी माध्यम से हैं, के लिए अत्यंत उपयोगी औषधि मानता हूँ। इसमें वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, रसायन व भौतिक विज्ञान आदि विषयों से संबंधित बहुत ही महत्वपूर्ण विस्तृत जानकारी मिलती है। मैंने दिसम्बर 2012 का अंक पढ़ा। इस अंक की आमुख कथा 'देश की साख लद्दाख' पसंद आयी।

श्री संदीप कुमार सिरावत, गाँव-कोटड़ा, तह-नीमकाथाना, जिला-सीकर 332713 (राज.) [मो.: 09460067501, ई-मेल : sksirawat4@gmail.com]

ज्ञान का खजाना

मैं विज्ञान प्रगति का वर्ष 2007 से नियमित पाठक हूँ। इसका प्रत्येक अंक मुझे बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक लगता है। मैं विज्ञान प्रगति को ज्ञान का खजाना मानता हूँ क्योंकि इस पत्रिका के माध्यम से प्राप्त होने वाली नवीन जानकारियां विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रत्येक वर्ग एवं विषय के व्यक्तियों के लिए बहुपयोगी और ज्ञानवर्धक होती हैं। विज्ञान प्रगति का दिसम्बर 2012 का अंक बेहद रोचक एवं ज्ञानवर्धक लगा। श्री संजय कुमार द्विवेदी जी के विशेष लेख 'जय जवान-जय विज्ञान' के माध्यम से देश के पर्वतीय क्षेत्रों के बारे में अति महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई।

श्री विमल वर्मा, मोहल्ला दुर्गा प्रसाद, निकट कोल्ड स्टोर, बीसलपुर, जिला-पीलीभीत, 262201 (उ.प्र.)

मार्गदर्शक पत्रिका

मैं बी.टेक. तृतीय वर्ष का छात्र हूँ तथा विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। यह पत्रिका मेरे जीवन में मार्गदर्शक का कार्य कर रही है। मुझे इसके हर नये अंक का बेसब्री से इन्तजार रहता है। विज्ञान प्रगति के दिसम्बर 2012 के अंक की आमुख कथा 'देश की साख लद्दाख' द्वारा काफी रोचक और ज्ञानवर्धक जानकारी मिली। विज्ञान प्रगति विज्ञान के प्रति लोगों को जागरूक करने में अभूतपूर्व योगदान दे रही है। इसके माध्यम से विज्ञान, स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां आसानी से प्राप्त हो जाती हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि विज्ञान प्रगति महज एक पत्रिका नहीं बल्की असीमित ज्ञान का भंडार है।

श्री मुकुन्द प्रकाश मिश्र, सुपुत्र श्री जय प्रकाश मिश्र, मु.+पो. - सिवहर, वार्ड न.-14 (मिश्राटोला) जिला-शिवहर, 843329 (बिहार) [मो. : 09386213220,
ई-मेल : mukundprakashmishra@yahoo.in]

शानदार अंक

विज्ञान प्रगति का दिसम्बर 2012 अंक बहुत ही शानदार लगा। लद्दाख से संबंधित ऐसी जानकारियां मिलीं जो अब तक प्रकाश में नहीं आयी थीं। गणितज्ञों के शिरोमणि श्रीनिवास रामानुजन आयंगर का जीवन परिचय पढ़ने के बाद ऐसे लोगों में साहस का जागृत होना स्वाभाविक है जो क्षणिक बाधाओं व चुनौतियों के सामने अपने लक्ष्य से भटक जाते हैं। वर्ष 2012 को सरकार ने राष्ट्रीय गणित वर्ष घोषित करके नयी पीढ़ी में गणित के प्रति घट रही अभिरुचि को बढ़ाने व विद्यार्थियों को गणित के क्षेत्र में आगे आकर सुनहरे कल/भविष्य की संरचना का आमंत्रण दिया है। रोचक जानकारी के अंतर्गत 'पेन्गांग झील : एक वास्तविक सौन्दर्य' के माध्यम से लेखक ने अपनी शानदार वैनी कलम का करिश्मा दिखा दिया।

श्री कृष्ण कुमार उपाध्याय, 8/262-बैरिहवा, गांधी नगर, बस्ती, जनपद-बस्ती 272001 (उ.प्र.) [मो.: 09839987104; 09236578935]

आकर्षक पत्रिका

मुझे विज्ञान प्रगति के नवम्बर 2012 के अंक का विशेष लेख 'मंगल पर मंगल' अत्यन्त आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक लगा। विज्ञान प्रगति के माध्यम से प्राप्त होने वाली जानकारियां विद्यार्थियों एवं प्रत्येक वर्ग के व्यक्तियों के लिए उपयोगी होती हैं। इस अंक में श्री प्रदीप कुमार मुखर्जी द्वारा स्मृति शेष 'नील आर्मस्ट्रांग - पहला कदम और आखरी दम' के बारे में पढ़कर काफी अच्छा लगा। दिसम्बर 2012 के अंक में प्रकाशित आमुख कथा 'देश की साख लद्दाख' अत्यन्त रोचक एवं महत्वपूर्ण लगी। इसमें लद्दाख, लेह, वनस्पति एवं पैन्गांग झील आदि के बारे में काफी अच्छा वर्णन किया गया है। इसके लिए मैं विज्ञान प्रगति की टीम के सदस्यों को साधुवाद देता हूँ, जो हमें नयी-नयी जानकारियों से परिचित कराते हैं। और मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है, कि विज्ञान प्रगति दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति करती रहेगी।

> 'भरा नहीं जो भावों से जिसमें बहती रसधार नहीं
> वह हृदय नहीं पत्थर है, जिसमें इस पत्रिका के लिए सत्कार नहीं।'

श्री कौशल पाल, सुपुत्र श्री आदेश कुमार, महाराजपुरम कॉलोनी, आँवला 243301 जिला-बरेली, (उ.प्र.) [मो.: 08859277254]

कामयाबी की राह

मैं विज्ञान प्रगति का एक नियमित पाठक हूँ और विज्ञान प्रगति को कामयाबी की राह मानता हूँ। मैं विज्ञान प्रगति के विज्ञान समाचार व सवाल जवाब पढ़कर महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त करता हूँ। मैंने इसके नवम्बर 2012 वाले अंक का अध्ययन किया जिसमें मुझे नील आर्मस्ट्रांग, मंगल पर मंगल, व महाविभूति : वीरबल साहनी पर आधारित लेख ज्ञानवर्धक लगे।

श्री विकास कसौधन, सुपुत्र श्री अत्मा राम, ग्राम पूरब गांव, पोस्ट-किठावर, बाजार, जिला-प्रतापगढ़ (उ.प्र.)
[मो. : 09839612472; 09415886741]